

Supply of fruits and vegetables to major Cities

2448. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether any efforts have been made by Government to supply fruits and vegetables in large quantity in view of their increasing demand in the cities in the country like Delhi, Jaipur, Bhubaneswar, Mumbai and Calcutta;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the rates of fruits and vegetables have almost doubled in these cities; and

(d) if so, what efforts, till date, have been made by Government to reduce the price and increase the production of fruits and vegetables?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) Due to steep rise in prices of onion during January-February, 1998, the Government of India through National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED) arranged the sale of onion at reasonable price in 3 major cities i.e. Delhi, Chennai and Hyderabad. NAFED has distributed 1,777 metric tonnes of onion during 2nd January, 1998 to 21st February, 1998.

(c) Due to seasonal variations, the rates of fruits and vegetables are fluctuating in various markets of the country. Fruits like apple, citrus, banana, etc. and vegetables like potato, onion, tomato, etc. have shown rising trend during last few weeks.

(d) For increasing the production of fruits and vegetables and subsequently increasing the supply, the Government of India is promoting the schemes on fruits and vegetables namely (i) Integrated Development of Tropical, Arid & Temperate Zone Fruits, (ii) Production and Supply of Vegetable Seeds, and (iii) Development of Root & Tuber Crops in the country. The Government of India

through National Horticulture Board (NHB), National Cooperative Development Corporation (NCDC) is also providing financial assistance for creating infrastructure facilities for cold storage, packing and grading centres for better marketing facilities which would help enhanced and timely supply of fruits and vegetables and control the prices.

तिलहन उत्पादन

2449. श्रीमती शबाना आज़मी:

श्री बरजिन्दर सिंह:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनोंक 20 मार्च, 1998 को दैनिक ओब्जर्वर में "आयल सीड्स आउटपुट पोर्टेशियल सीन एट 40-70 मि० टन" शीपक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश में तिलहन उत्पादन की क्षमता का आकलन किया है;

(ग) यदि हां, तो अंकी गई मात्रा कितनी है और वर्तमान उत्पादन इससे कितना कम है; और

(घ) अंकी गई मात्रा से कम उत्पादन होने के क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल):

(क) जी, हां।

(ख) और (ग) देश में तिलहन उत्पादन की क्षमता का कोई आकलन नहीं किया गया है क्योंकि इसके लिए तिलहन फसलों के तहत आने वाले क्षेत्र, मण्डी मूल्य, अन्तः फसल लाभकारिता, किसानों के आर्थिक निर्णय तथा मौसम की स्थिति जैसे कई कारक शामिल हैं। फिर भी, 8 कि० ग्रा० प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष की दर से खाद्य तेलों की नियामक मांग के आधार पर खपत की आवश्यकता का आकलन किया गया है तथा तदनुसार, योजना आयोग द्वारा उत्पादन के लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। वर्ष 1998-99 के लिए तिलहन उत्पादन का लक्ष्य 270 लाख मी० टन निर्धारित किया गया है।

(घ) भारत में तिलहन के कम उत्पादन के कारण मुख्यतः बीजों, उर्वरकों, कीटनाशियों और सिंचाई जैसे अधिक गुणवत्ता वाले आदानों पर कम निवेश क्षमता वाले छोटे और सीमांत किसानों द्वारा वर्षा सिंचित परिस्थितियों में इनकी खेती करना तथा मौसम की